हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकरका २४ वाँ ग्रन्थ।

मानव-जीवन।

लेखक—

श्रीयुत बाबू रामचन्द्र वर्मा।

प्रकाशक—

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय,

हीराबाग, गिरगाँव,

बम्बई।

आश्विन, १९८५ वि०।

अक्टूबर, सन् १९२८।

द्वितियावृत्ति] [मूल्य १॥ रु०

कपड़ेकी जिल्दका मू० दो रुपया।